

बीसीबीएच्या सहकार्याने वाढवण बंदर कौशल्य विकास उपक्रमाचा भाग म्हणून कस्टम दस्तऐवजीकरण अभ्यासक्रमाची पहिली बॅच (तुकडी) सुरू

मुंबई, 17 एप्रिल 2025: वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेड (व्हीपीपीएल) या भारतातील 13 व्या मोठ्या बंदराने, बीसीबीए च्या सहकार्याने, जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष आणि व्हीपीपीएल चे अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा. रा. से., यांच्या प्रमुख उपस्थितीत बुधवारी, 16 एप्रिल 2025 रोजी वाढवण पोर्ट कौशल्य विकास कार्यक्रमांतर्गत कस्टम डॉक्युमेंटेशनवरील पहिला अभ्यासक्रम सुरू केला आहे. यावेळी जेएनपीए आणि व्हीपीपीएलचे सल्लागार श्री राजीव सिन्हा, बीसीबीएचे अध्यक्ष श्री संजीव हराळे, बीसीबीएचे वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री परेश ठक्कर, एफएफएफएआयचे अध्यक्ष आणि बीसीबीएचे माजी अध्यक्ष श्री दुष्यंत मुलाणी आणि बीसीबीएचे इतर वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित होते.

बृहन्मुंबई कस्टम ब्रोर्स असोसिएशनच्या (बीसीबीए) सहकार्याने तयार करण्यात आलेला हा अभ्यासक्रम, सहभागींना बंदरांच्या कामकाजासाठी आवश्यक असलेल्या सीमाशुल्क प्रक्रिया, दस्तऐवजीकरण आणि कार्यपद्धतींचे सर्वसमावेशक ज्ञान मिळवून देण्यासाठी तयार करण्यात आला आहे.

यावेळी जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष आणि व्हीपीपीएलचे अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा. रा. से., म्हणाले की, या प्रशिक्षणाचा शुभारंभ हा आपल्या स्थानिक तरुणांच्या कौशल्यवृद्धीसाठीचा एक महत्त्वपूर्ण टप्पा आहे. वाढवण बंदर आणि सागरी क्षेत्राच्या वाढीसाठी आवश्यक असलेली कौशल्ये त्यांना मिळावीत, हाच या उपक्रमामागचा हेतू आहे. केवळ चर्चापुरतं मर्यादित न राहता, पुढच्या संधींसाठी तरुणांना खऱ्या अर्थाने सक्षम करणारी पावले उचलणे हेच आमचे ध्येय आहे. हा तर फक्त प्रारंभ आहे — विविध क्षेत्रांमध्ये असे अनेक उपक्रम राबवून स्थानिक समुदायाला अधिक सक्षम करण्यासाठी आम्ही कटिबद्ध आहोत.”

कस्टम दस्तऐवजीकरण अभ्यासक्रम हा पालघर आणि वाढवण बंदराच्या आसपासच्या भागातील स्थानिक उमेदवारांना सीमाशुल्क मंजुरी आणि लॉजिस्टिक क्षेत्रात आवश्यक मूलभूत ज्ञान आणि व्यावहारिक कौशल्यांसह सुसज्ज करण्यासाठी तयार करण्यात आला आहे. प्रत्यक्ष व्यावहारिक माहितीचा देखील समावेश असलेला 100 तासांच्या प्रशिक्षणासह 4 आठवडे चालणारा हा अभ्यासक्रम मुंबईतील नरीमन पॉईंट येथील बीसीबीए कार्यालयाच्या आवारातील वर्गात आयोजित केला जाणार आहे. या



अभ्यासक्रमात आयात-निर्यात प्रक्रिया, सीमाशुल्क दस्तऐवजीकरण, मंजूरी प्रक्रिया आणि अनुपालनाच्या आवश्यकता यासारख्या प्रमुख क्षेत्रांचा समावेश आहे, ज्यामुळे सहभागींना बंदर आणि लॉजिस्टिक ऑपरेशन्सचे वास्तविक आकलन होण्यास मदत होते.

स्थानिक युवकांना अर्थपूर्ण संधी उपलब्ध करून देण्याच्या दृष्टीकोनातून वाढवण बंदर कौशल्य विकास कार्यक्रम सुरू करण्यात आला. व्यापक प्रेक्षकांपर्यंत पोहोचण्याच्या प्रयत्नात, व्हीपीपीएलने वाढवणच्या तरुणांशी संवाद साधण्यासाठी आणि त्यांच्या सहभागास प्रोत्साहित करण्यासाठी व्हॉट्सअॅप चॅटबॉट सादर केले. या अभिनव उपक्रमामुळे संभाव्य उमेदवारांना या कार्यक्रमाची माहिती मिळवणे आणि कार्यक्रमासाठी नोंदणी करणे सोपे झाले आहे. वाढवण बंदर कौशल्य विकास कार्यक्रमाला आतापर्यंत 30,800 हून अधिक नोंदणीसह जबरदस्त प्रतिसाद मिळाला आहे, ज्यामुळे या व्यवसाय-उभारणी उपक्रमांमध्ये सहभागी होण्याची प्रादेशिक उत्सुकता प्रतिबिंबित होते.

वाढत्या मागणीची पूर्तता करण्यासाठी वाढवण बंदर कौशल्य कार्यक्रम अतिरिक्त बॅचेससह सतत विकसित होत राहील, ज्यामुळे वाढवणचे तरुण बंदराच्या विकासात आणि देशाच्या सागरी विकासात योगदान देण्यासाठी सुसज्ज होत राहतील.

व्हीपीपीएल बदल:

वाढवण पोर्ट प्रायव्हेट लिमिटेड (VPPL) हे देशाचे १३वे मोठे बंदर असून, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (JNPA) आणि महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड (MMB) यांच्या संयुक्त भागीदारीत स्थापन करण्यात आलेले एक विशेष उद्दिष्ट () असलेले कंपनी रूपातील उपक्रम आहे. पालघर जिल्ह्यातील डहाणूजवळ वसलेले हे बंदर जागतिक स्तरावर आघाडीच्या दहा बंदरांमध्ये स्थान मिळवण्यास सक्षम आहे. ३० ऑगस्ट २०२४ रोजी भारताचे माननीय पंतप्रधान श्री. नरेंद्र मोदी यांच्या हस्ते या बंदराच्या भूमिपूजनाचा ऐतिहासिक क्षण घडला.

निसर्गपूरकतेला प्राधान्य देत, वाढवण बंदर हे शंभर टक्के हरित तत्वावर आधारित असणार आहे, जे पर्यावरणावर कमीत कमी परिणाम करत अधिक कार्यक्षमतेने काम करेल. २४ दशलक्ष टीईयू (TEU) माल हाताळण्याची क्षमता असलेले हे बंदर देशाच्या व्यापार कार्यक्षमतेला गती देणार आहे. या माध्यमातून आर्थिक प्रगतीला चालना मिळेल आणि परिसराचा सर्वांगीण विकास होईल. वाढवण पोर्ट कौशल्य कार्यक्रमांसारख्या उपक्रमांद्वारे स्थानिक समुदाय सशक्त करण्यावर वाढवण पोर्ट प्रायव्हेट लिमिटेड विशेष भर देत आहे.

माध्यम प्रतिनिधींनी अधिक माहितीसाठी संपर्क साधावा:



अंबिका सिंग,

उपमहाव्यवस्थापक (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन व प्रशिक्षण),

वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड

मोबाईल क्र. : +919920372677

ईमेल : ambikasingh@jnport.gov.in



बीसीबीए के सहयोग से वाढवण पत्तन कौशल पहल के हिस्से के रूप में कस्टम प्रलेखन पाठ्यक्रम का पहला बैच शुरू किया गया

मुंबई, 17 अप्रैल, 2025: भारत के 13वें महा पत्तन वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड (वीपीपीएल) ने बुधवार, 16 अप्रैल, 2025 को बीसीबीए के सहयोग से जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष और वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंधनिदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ भा. रा.से., द्वारा बीसीबीए के सहयोग से वाढवण पत्तन कौशल विकास कार्यक्रम के तहत हैसीमाशुल्क प्रलेखन पर पहला पाठ्यक्रम शुरू किया है। इस अवसर पर जनेप प्राधिकरण और वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के सलाहकार श्री राजीव सिन्हा, बीसीबीए के अध्यक्ष श्री संजीव हराले, बीसीबीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री परेश ठक्कर, एफएफएफआई के अध्यक्ष और बीसीबीए के पूर्व अध्यक्ष श्री दुष्यंत मुलानी समेत बीसीबीए के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बृहन्मुंबई कस्टम ब्रोकर्स एसोसिएशन (बीसीबीए) के सहयोग से तैयार किए गए इस पाठ्यक्रम से प्रतिभागी को पत्तनों के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, प्रलेखन और प्रक्रियाओं के व्यापक ज्ञान से अवगत होंगे।

इस अवसर पर जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष और वीपीपीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंधनिदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ भा. रा.से., ने कहा, “इस पाठ्यक्रम का शुभारंभ हमारे स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें ऐसे कौशल प्रदान करता है जो वाढवन पत्तन और व्यापक समुद्री उद्योग के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम बातचीत से आगे बढ़कर सार्थक कार्रवाई करने में विश्वास करते हैं जो युवाओं को कल के अवसरों के लिए तैयार करता है। यह सिर्फ शुरुआत है, और हम समुदाय को और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में इस कार्यक्रम और कई अन्य कार्यक्रमों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।”

सीमाशुल्क प्रलेखन पाठ्यक्रम को पालघर और वाढवण पत्तन के आसपास के क्षेत्रों के उम्मीदवारों को सीमा शुल्क निकासी और संभार तंत्र के क्षेत्र में आवश्यक मूलभूत ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। 100 घंटे के प्रशिक्षण के साथ 4 सप्ताह तक चलने वाला यह पाठ्यक्रम नरीमन पॉइंट, मुंबई में बीसीबीए कार्यालय में एक कक्षा में आयोजित किया जायेगा और इसमें व्यावहारिक जानकारी सम्मिलित होती है। पाठ्यक्रम में आयात-निर्यात प्रक्रियाओं, सीमा शुल्क प्रलेखन, निकासी प्रक्रियाओं और अनुपालन आवश्यकताओं जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं, जो प्रतिभागियों को पत्तन और संभार तंत्र प्रचालन की वास्तविक जगत की समझ प्रदान करेगा।

वाढवण पत्तन कौशल विकास कार्यक्रम स्थानीय युवाओं को सार्थक अवसर प्रदान करने के दृष्टिकोण के साथ शुरू किया गया था। व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के प्रयास में, वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड ने वाढवण के युवाओं के साथ बातचीत करने और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक व्हाट्सएप चैटबॉट की शुरुआत की। इस अभिनव पहल ने संभावित उम्मीदवारों के लिए जानकारी प्राप्त करना और कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करना आसान बना दिया है। वाढवण पत्तन कौशल विकास कार्यक्रम को पहले ही 30,800 से अधिक पंजीकरणों के साथ जबरदस्त प्र प्रतिसाद मिल चुकी है, जो इन कैरियर-निर्माण (पेशेवर-निर्माण) पहलों में भाग लेने के लिए क्षेत्र की उत्सुकता को दर्शाता है।



वाढवण पत्तन कौशल विकास कार्यक्रम बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त बैचों के साथ विकसित होता रहेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि वाढवण के युवा पत्तन के विकास और देश के समुद्री विकास में योगदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

वीवीपीएल के बारे में:

वाढवण पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वीवीपीएल) भारत का 13वां प्रमुख बंदरगाह है, जो जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) के बीच गठित एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) है। महाराष्ट्र के पालघर जिले में, दहानु के पास रणनीतिक रूप से स्थित, वीवीपीएल विश्व के शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने के लिए तैयार है। इस बंदरगाह की आधारशिला 30 अगस्त, 2024 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई थी।

स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध, वीवीपीएल अपनी स्थापना से ही 100% हरित होगा, जो न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करेगा। यह बंदरगाह 24 मिलियन टीईयू की क्षमता के साथ व्यापार दक्षता को बढ़ाने, आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और क्षेत्रीय विकास में योगदान करने के लिए तैयार है। वाढवण पोर्ट स्किलिंग प्रोग्राम जैसी पहलों के माध्यम से, वीवीपीएल स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

मीडिया पूछताछ के लिए संपर्क करें:

अंबिका सिंह,

उप महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार और प्रशिक्षण), वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड।

मोबाइल: +919920372677

ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in



First Batch of Custom Documentation Course Launched as Part of Vadhvan Port Skilling Initiative in Association with BCBA

Mumbai, April 17, 2025: Vadhvan Port Project Ltd. (VPPL), the 13th major port of India, has launched the first course on Custom Documentation under the Vadhvan Port Skilling Program in association with BCBA on Wednesday, April 16th, 2025, by Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA and CMD, VPPL, in the presence of Shri Rajeev Sinha, Advisor, JNPA and VPPL, Shri Sanjeev Harale, President, BCBA, Shri Paresh Thakkar, Senior Vice President, BCBA, Shri Dushyant Mulani, Chairman, FFFAI and Past President BCBA, and other senior officials from BCBA.

The course, designed in collaboration with the Brihanmumbai Custom Brokers Association (BCBA), is set to equip participants with comprehensive knowledge of customs processes, documentation, and procedures vital for the functioning of ports.

Shri Unmesh Sharad Wagh, Chairman, JNPA, and CMD, VPPL, shared, *"The launch of this course is a key step in enhancing the employability of our local youth, providing them with skills that are vital for the growth of Vadhvan Port and the broader maritime industry. We believe in moving beyond conversations to meaningful action that equips young people for tomorrow's opportunities. This is just the beginning, and we are committed to expanding this program and many other programs across various sectors to further empower the community."*

The Custom Documentation course is designed to equip candidates from Palghar and nearby areas of Vadhvan Port with foundational knowledge and practical skills required in the field of customs clearance and logistics. Spanning 4 weeks with 100 hours of training, the course is conducted in a classroom setting at the BCBA office in Nariman Point, Mumbai, and includes hands-on practical inputs. The curriculum covers key areas such as import-export procedures, customs documentation, clearance processes, and compliance requirements, offering participants a real-world understanding of port and logistics operations.

The Vadhvan Port Skilling Program was launched with a vision to provide meaningful opportunities for the local youth. In an effort to reach out to a wider audience, VPPL introduced a WhatsApp Chatbot to interact with the youth of Vadhvan and encourage their participation. This innovative initiative has made it easier for potential candidates to access information and register for the program. The Vadhvan Port Skilling Program has already garnered an



overwhelming response, with over 30,800 registrations to date, reflecting the region's eagerness to participate in these career-building initiatives.

The Vadhvan Port Skilling Program will continue to evolve with additional batches to cater to the growing demand, ensuring that the youth of Vadhvan are well-equipped to contribute to the port's development and the nation's maritime growth.

About VPPL:

Vadhvan Port Private Limited (VPPL) is the 13th major port of India, a special purpose vehicle (SPV) formed between Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) and the Maharashtra Maritime Board (MMB). Strategically located in Palghar district, near Dahanu, Maharashtra, VPPL is poised to be among the top 10 ports globally. The foundation stone for the port was laid on August 30th, 2024, by the Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi.

Committed to sustainability, VPPL will be 100% green from inception, ensuring minimal environmental impact. The port is set to enhance trade efficiency with the capacity to handle 24 million TEUs, stimulate economic growth, and contribute to regional development. Through initiatives like the Vadhvan Port Skilling Program, VPPL focuses on empowering local communities.

For Media Queries, Contact:

Ambika Singh,

DGM(Corporate Communications & Training), Vadhvan Port Project Ltd.

Mob: +919920372677

E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in